

रात्रि उदयन रा० ३० नि० वने = बज्जीर / ताइसील गरकोली अनपय सुप्रमद /

[illegible]

एकलिंग प्रविष्टि

~~87~~
R-5-1-15-8
5-1-2015

हमीलवार
जय श्री गुरुदेव
११/११/११